List of New Course(s) Introduced

Department : HINDI

Programme Name : B.A.

Academic Year : 2023-24

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
01.	HIUAMJT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)
02.	HIUAMNT1	मध्यकालीन कविता
03.	HIUAMDT1	साहित्य और समाज
04.	HIUAAET1	हिंदी भाषा : सामान्य परिचय
05.	HIUASET1	रचनात्मक लेखन
06.	HIUAVAT1	भारतीय भक्ति परंपरा और मानवीय मूल्य
07.	HIUBMJT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
08.	HIUBMNT1	हिंदी की लंबी कविताएं
09.	HIUBMDT1	भारतीय साहित्य
10.	HIUBAET1	हिंदी एवं संभाषण कला
11.	HIUBSET1	सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम
12.	HIUBVAT1	साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा
13.	HIUBVOT1	कंप्यूटर में हिंदी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार
14.		

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2022-23

School : ARTS

Department : HINDI

Date and Time : 31/07/2024 12 pm

Venue : Head of Department Chamber

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
हिंदी विभाग
(कला अध्ययनशाला)

क्रमांक/Q/हिंदी/BOS/2023 — बिलासपुर, दिनांक : 22/08/2023

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 22 अगुस्त, 2023 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) पर चर्चा की गई चार वर्षीय स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम (नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार) को लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	अध्यक्ष	[signature]
2.	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह – आचार्य हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) (माननीय कुलपतिजी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थित
3.	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	[signature]

[signature]
अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature & Seal of HoD

Scheme and Syllabus

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
चार वर्षीय स्नातक हिंदी (ऑनर्स/शोध)
सेमेस्टर - I

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Structure Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1	HIUATT3	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)		4	30	70	100
Minor-1		To be selected from University pool of Minor		4	30	70	100
Multidisciplinary-1 Generic Elective							
GE-1		To be selected from University pool of GE		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC-1		To be selected from University pool of AEC		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC-1		To be selected from University pool of SEC		3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1		To be selected from University pool of VAC		2	30	70	100
VAC-2				2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

To be University pool

Minor-1

- मध्यकालीन कविता (CODE- HIUATG2)

मल्टीडिसिप्लिनरी (GE)

- साहित्य और समाज

AEC

- हिंदी भाषा : समान्य परिचय (CODE- HIUATA3)

SEC

- रचनात्मक लेखन (CODE- HIUATL2)

VAC

- भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

सेमेस्टर – II

Paper No.	Course Code	TITLE	Teaching Structure Credit (Theory + Tutorial)	Total Credit	Marks INTERNAL	Marks ENDSEMESTER	TOTAL MARKS
CORE							
Major-1		हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)		4	30	70	100
Minor-1		To be selected from University pool of Minor		4	30	70	100
Multidisciplinary-1 Generic Elective							
GE-1		To be selected from University pool of GE		3	30	70	100
Ability Enhancement Course							
AEC-1		To be selected from University pool of AEC		2	30	70	100
Skill Enhancement Course							
SEC-1		To be selected from University pool of SEC		3	30	70	100
Value Added Course							
VAC-1		To be selected from University pool of VAC		2	30	70	100
VAC-2				2	30	70	100
SEMESTER TOTAL				**20**	**210**	**490**	**700**

To be University pool

Minor

- हिंदी की लंबी कविताएँ

मल्टीडिसिप्लिनरी (GE)

- भारतीय साहित्य

AEC

- हिंदी एवं संभाषण कला

SEC

- सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम

VAC

- साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Vocational Courses (For exit students)								
Vocational Courses		To be selected from University pool of Vocational Courses		4	30	70	100

सर्टिफिकेट कोर्स के लिए

To be selected from University pool

Vocational Courses- 1 (4 क्रेडिट)

- कम्प्यूटर में हिंदी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Semester 1

Major-1

(CODE- HIUATT3)

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

Course Objective:

- हिंदी साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- भक्तिकाल की समानांतर प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाल में लोक और शास्त्र का अंतर्द्वंद्व
- भक्ति काव्य का लोक जागरण
- दरबारी काव्य परम्परा

Syllabus Content:

इकाई एक

साहित्य की इतिहास- दृष्टि और हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएं
हिंदी साहित्य का इतिहास : काल- विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

इकाई दो

आदिकालीन हिंदी साहित्यः आधार-सामग्री, साहित्यिकता, प्रामाणिकता और काव्यभाषा संबंधी प्रश्न |
आदिकालीन साहित्य की परिस्थितियाँ और प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य

इकाई तीन

भक्ति आन्दोलन: उदय के कारण . अखिल भारतीय प्रसार और अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विविध संप्रदाय
सगुण : राम भक्ति शाखा और कृष्ण भक्ति शाखा

इकाई चार

निर्गुण : ज्ञानमार्गी शाखा, प्रेममार्गी शाखा
भारतीय धर्म साधना और हिंदी संत काव्य, संत काव्य की विशेषताएं
सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, काव्य- रूढ़ियाँ

इकाई पांच

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Minor-1

(CODE- HIUATG2)

मध्यकालीन कविता

Course Objective:

- हिंदी साहित्य का मध्यकाल वह आधारभूमि है जिस पर साहित्य का आधुनिक युग और उसके समकालीन सन्दर्भ विकसित हुए हैं।
- बाजार के अत्यधिक दवाब के बावजूद आज के साहित्य को अपनी परम्परा से जोड़े रखने में मध्यकालीन छंद विन्यास और उसकी भाव संवेदना का अध्ययन आवश्यक है।

Syllabus Content:

इकाई एक

कबीर - दो पद :

1. अवधू बेगम देस हमारा...
2. अमरपुर ले चलु हो सजना...

संदर्भ : (कबीर ग्रथांवली - श्याम सुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

जायसी - पद्मावत : मानसरोदक खंड

संदर्भ : (पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई दो

सूरदास -

1. लरिकाई को प्रेम...
2. बिनु गोपाल बैरनि भई कुंजै...
3. हमारे हरि हारिल की लकरी...

संदर्भ : (भ्रमरगीत सार - सं. रामचन्द्र शुक्ल)

तुलसीदास - अवधेस के द्वारें सकारें गई... (कवितावली : बालकाण्ड)

खेती न किसान को... (कवितावली)

इकाई तीन

रहीम -

1. अमर बेलि बिनु मूल की...
2. आप न काहू काम के...
3. एक उदर दो चोंच है...
4. कदली, सीप, भुजंग-मुख...
5. गरज आपनी आपसों...

संदर्भ : (रहीम ग्रन्थावली - विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

मीरा -

1. राणाजी थे क्याँने राखो म्हाँसूँ बैर...
2. साँवलिया म्हारो छाय रह्या परदेस...
3. करम गत टाराँ णा री टराँ...

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

संदर्भ : (मीरा का काव्य/ मीराँ पदावली - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

इकाई चार

बिहारी - 1. सीस-मुकुट कटि-काछनी...
2. करौ कुबत जग कुटिलता...
3. पत्रा ही तिथि पाइयै...
4. भाल लाल बेंदी ललन...
5. उड़नि गुड़ी लखि ललन की...

संदर्भ : (बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

घनानंद - 1. मीत सुजान अनीति करौ जिन...
2. तब तौ छवि पीवत जीवत हे...

संदर्भ : (घनानंद- कवित्त – सं.विश्वनाथप्रसाद मिश्र,)

इकाई पांच

रसखान - 1. गुन्ज गरै सिर मोरपखा...
2. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी...

संदर्भ : (सुजान रसखान - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

नज़ीर अकबराबादी : कौड़ी है जिसके पास... (बुद्धिमानों की बातें)

संदर्भ : (कविता- समय – डॉ. गौरी त्रिपाठी)

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी मध्यकालीन कवि, कविता, युगबोध के साथ उनके संदर्भों एवं संबंधों की परख विकसित कर सकेंगे।
- अपभ्रंश से लेकर देशज शब्दावली किन रूपों में कविता की समृद्धि को सुनिश्चित करते हुए उसे लोक तक ले जाती है, विद्यार्थी इससे भी अवगत होंगे।
- शिल्प की दृष्टि से कविता किन अर्थो में महत्वपूर्ण है, इसकी समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी ।
- विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता के अध्ययन से उच्चभावबोध एवं उच्च चिंतन की ओर अग्रसर होकर बेहतर मनुष्य बनने का प्रयास करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी कविता के प्रस्थान को समझते हुए कविता का पाठ कैसे किया जाए जैसे बुनियादी कौशल से भी परिचित होंगे।
- इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी ।

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिवेणी– रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. विद्यापति पदावली– संशिवप्रसाद सिंह ., लोकभारती प्रकाशन
3. कविता समय– डॉगौरी त्रिपाठी ., उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Multidisciplinary-1 (GE)
साहित्य और समाज

Course Objective:

- समय व उसकी विडंबनाओं और अंतर्विरोधों को अभिव्यक्त करता साहित्य न सिर्फ अपने समय का दर्पण होता है बल्कि समाज का एक्सरे कहना ज्यादा तार्किक होगा।-
- साहित्य की सभी विधाएं समाज का वास्तविक चित्रण करती हैं।
- साहित्य का अपना समाजशास्त्र होता है जिसे कविताओं और कहानियों के माध्यम से समझा जा सकता है।
- समकालीन साहित्य में समाज का वास्तविक चित्रण दिखाई देता है।
- साहित्य के माध्यम समाज की विविध समस्याओं और उसकी प्रासंगिकता को रेखांकित व विश्लेषित करना।

इकाई एक

- साहित्य और समाज की अवधारणा
- साहित्य का समाजशास्त्र : सामान्य परिचय
- साहित्य और समाज अंतर्संबंध

इकाई दो

दुष्यंत कुमार : कहाँ तो तय था, गुलमोहर
नीरज : अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए

इकाई तीन

निराला : किनारा वो हमसे किये जा रहे हैं
नागार्जुन : प्रेत का बयान

कहानी

इकाई चार

स्वयं प्रकाश : बर्थडे
प्रियंवद : खरगोश

इकाई पांच

मन्नू भंडारी : यही सच है
निर्मल वर्मा : परिंदे

सहायक ग्रंथ :

1. कुछ कहानियाँ कुछ विचार विश्वनाथ त्रिपाठी :, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. एक दुनिया राजेन्द्र यादव (.सं) : समानांतर :, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

SEMESTER 1

Ability Enhancement Course (AEC)

(CODE- HIUATA3)

हिंदी भाषा : सामान्य परिचय

Course Objective:

- हिंदी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है ।
- हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।
- हिंदी भाषा का उच्चारण और वर्णमाला का सामान्य परिचय आवश्यक है।

Syllabus Content:

इकाई एक

भाषा का उद्भव, विकास, भाषा की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएं

इकाई दो

भाषा की प्रकृति एवं विविध रूप, भाषा और बोली, भाषा परिवार

इकाई तीन

राजभाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिंदी, संविधान में हिंदी

इकाई चार

देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास, हिंदी का मानकीकरण

इकाई पांच

हिंदी की वर्ण-माला : स्वर एंव व्यंजन, वर्णों का उच्चारण स्थान

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना
2. सामान्य हिन्दी एवं हिन्दी व्याकरणब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -, यूनिकॉर्न पुस्तक, नई दिल्ली
3. हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा विज्ञानभोलानाथ तिवारी -, किताब महल, नई दिल्ली
5. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्त प्रकाशन, जोधपुर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Skill Enhancement Course (SEC)

(CODE- HIUATL2)

रचनात्मक लेखन

Course Objective:

- रेडियो, दूरदर्शन और व्यावसायिक रंगमंच के दृष्टिगत रचनात्मक लेखन की संभावना लगातार बढ़ती जा रही है।
- जनरुचियों के परिष्करण और उसके अनुसार हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मकता की आवश्यकता।
- साहित्य में विविध विधाओं में जनभाषा के बतौर रचनात्मकता स्पष्ट दिखाई देती है ।

Syllabus Content:

इकाई 1

रचनात्मक लेखन स्वरूप एवं सिद्धांत :

- जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप लिखित-मौखिक :, गद्यपद्य-, कथात्मककथेतर-, नाट्यपाठ्य-

इकाई 2

कविता : चम्पा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती –त्रिलोचन
समय की शिला पर–शम्भुनाथ सिंह

इकाई 3

कहानी : नपनी – दूधनाथ सिंह
अनुपस्थित – देवेंद्र

इकाई 4

व्यंग्य : सदाचार का ताबीज – हरिशंकर परसाई

इकाई 5

निबंध : युद्ध और नारी – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. आस्था और सौन्दर्य – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भवन्ती – अज्ञेय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. एक साहित्यिक की डायरी- गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कविता का जनपद – अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मंडी में मीडिया – विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता- कृष्ण बिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Value Added Course

भारतीय भक्ति परम्परा और मानवीय मूल्य

Course Objective:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

इकाई 1

भारतीय भक्ति परंपरा

- भक्ति अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत

इकाई दो

भारत की सांस्कृतिक एकता और भक्ति

भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई तीन

भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके विचार

संत तिरुवल्लुवर आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक,

इकाई चार

भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके विचार

सूरदास, जायसी, तुकाराम, नामदेव, नरसी मेहता, मना, कंचन, नम्बियार, चैतन्य महाप्रभु, चंडीदास, सरला दास, शंकरदेव

इकाई पांच

मानव मूल्य और भक्ति

मानव मूल्य का अर्थ

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Semester II

Major-1

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Objective:

- नवजागरण की पृष्ठभूमि
- हिंदी साहित्य में आधुनिकता की अवधारणा
- गद्य विधा का विकास और यथार्थवाद
- हिंदी कविता में राष्ट्रीय स्वाधीनता

Syllabus Content:

इकाई एक

आधुनिक काल

1. सामान्य परिचय, राजनीतिक, सामजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

3. हिंदी नवजागरण व गद्य का विकास

इकाई दो

1. प्रमुख संस्थाओं का योगदान
2. पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका
3. प्रमुख गद्य विधाएँ : नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी, आलोचना

इकाई तीन

आधुनिक काल की विभिन्न काव्य धाराएँ और प्रमुख प्रवृत्तियाँ

1. भारतेंदु युग
2. द्विवेदी युग
3. छायावाद
4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद

इकाई चार

स्वातंत्र्योत्तर काव्य की धाराएँ और प्रमुख प्रवृत्तियाँ

1. नई कविता
2. साठोत्तरी कविता
3. हिंदी कविता का वर्तमान

इकाई पांच

आधुनिक विमर्श

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Minor-1

हिंदी की लंबी कविताएँ

Course Objective :

- महाकाव्यों के स्थानापन्न
- समय की शिनाख्त
- नायक की जगह चरित्र

Syllabus Content:

इकाई एक

राम की शक्ति-पूजा : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई दो

असाध्य वीणा : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

प्रमथ्यु गाथा : धर्मवीर भारती

इकाई तीन

चकमक की चिंगारियाँ : मुक्तिबोध

इकाई चार

ब्रूनों की बेटियाँ : आलोकधन्वा

इकाई पांच

पटकथा : सुदामा प्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'

सहायक ग्रंथ :

- रागविराग-, संरामविलास शर्मा ., लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आँगन के पारद्वार-, अज्ञेय, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
- चाँद का मुँह टेढ़ा है, मुक्तिबोध, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
- संसद से सड़क तक, धूमिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सात गीत वर्ष, धर्मवीर भारती, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
- दुनिया रोज बनती है, आलोकधन्वा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- नई कविता एक साक्ष्य :, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Course Learning Outcomes:

- पुराने महाकाव्यों में जो स्थान नायक के चरित्र-चित्रण का था। लंबी कविताओं में वही स्थान अपने समय और समाज के चित्रण का है।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

मल्टीडिसिप्लिनरी (GE-1)

भारतीय साहित्य

Course Objective:

- विद्यार्थी भारतीय भाषाओं एवं उनके साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय संस्कृति की विविधता एवं एकता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी भाषा कौशल में पारंगत होकर किसी भी एक भारतीय भाषा के साहित्य का अन्य भारतीय भाषा में विदेशी भाषा में अनुवाद कर सकेंगे अर्थात अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की अनेक संभावनाएँ है। /
- विद्यार्थी साहित्य सृजन कर यश एवं धन अर्जन करने में सक्षम होंगे।

इकाई एक

भारतीयता की अवधारणा

भारतीय साहित्य का स्वरूप

इकाई दो

भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता

भारतीय संस्कृति एवं समाज बोध।

राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता।

इकाई तीन

भारतीय साहित्य और संस्कृति का अंतस्संबन्ध

भारतीय साहित्य के स्रोतों में एकता।

भारतीय साहित्य में वैचारिक एवं भावनात्मक एकता।

भारतीय साहित्य और संस्कृति।

इकाई चार

भारतीय भाषाओं का काव्य (व्याख्या एवं समीक्षा)

सीताकान्त महापात्र (ओड़िया) - सांझ सवेरा (लौट आने का समय काव्य संग्रह से, अनुवादक- डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

सुब्रमण्यम भारती (तमिल) - चमक रहा उतुंग हिमालय (अनुवादक- अनिल जय विजय)

उमाशंकर जोशी (गुजराती)- हंपी के खंडहर भले हैं ऊँचे शृंग (निशीथ एवं अन्य कवितायें)

रूपांतर - रघुवीर चौधरी, भोला भाई पटेल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

इकाई पांच

भारतीय भाषाओं के गद्य साहित्य का अध्ययन

हयवदन (नाटक- गिरीश कारनाड)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Ability Enhancement Course

हिंदी एवं संभाषण कला

Course Objective:

- भाषा का उपयोग मनुष्य अपनी इच्छाओं, मनोभावनाओं को व्यक्त करने, विचारों के परस्पर आदान-प्रदान के लिए करता है।
- वार्तालाप में कम से कम दो व्यक्ति सम्मिलित होते हैंवक्ता और श्रोता। वार्तालाप या संभाषण के द्वारा - प्रदान किया जा सकता है।-ही परस्पर बौद्धिक आदान विनिमय करके-विचार
- प्रभावी वक्ता के लिए संभाषण कला में निपुण होना अत्यंत आवश्यक है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में समुचित संवाद कौशल के अभाव में वांछित उपलब्धियां अर्जित नहीं हो पाती हैं।
- प्रश्नोत्तर जांचपड़ताल-, स्वागतविदाई -, शंकासमाधान-, वादविवाद-, प्रभावपूर्ण सम्बोधन, मंत्रसंचालन - आदि के लिए संभाषण की उचित तकनीक और संभाषण का पर्याप्त अभ्यास आवश्यक है।
- कर्णप्रिय और संतुलित भाषा में किए गए संभाषण के माध्यम से ही व्यक्ति का सामाजीकरण होता है। प्रभावी और संतुलित संभाषण व्यक्ति से समष्टि की ओर अग्रसर करता है।
- इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी में वैयक्तिक, सामाजिक व व्यावसायिक व्यवहार में प्रभावी संवाद क्षमता विकसित करना है।
- इस अध्ययन से भाषा के आरोहअवरोह-, त्रुटिमुक्त उच्चारण के साथ विद्यार्थी में वाक् कला विकसित होगी, जिससे विद्यार्थी के लिए रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध होंगे।

इकाई एक

संभाषण का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा।

संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

जनसम्पर्क में वाक् कला की उपयोगिता।

इकाई दो

संभाषण कला के प्रमुख उपादान :-

यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति,

अन्तराल ध्वनि (वॉल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट) आदि।

इकाई तीन

संभाषण कला के विभिन्न रूप : उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग)

वाचन कला : समाचार वाचन (रेडियो, टी.वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

इकाई चार

वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Skill Enhancement Course
सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम

Course Objective:

- तकनीकी माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति के लिए साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की परम्परा शुरू हुई।
- यह एक ऐसा गद्य है, जिसमें कविता का स्वाद निहित है।

Syllabus Content:

इकाई एक

रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

इकाई दो

फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

इकाई तीन

साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।

स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और नियमित पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

इकाई चार

दृश्य-सामग्री : छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से संबंधित लेखन।

इकाई पांच

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा। आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

सहायक ग्रंथ :

1. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया लेखन और संपादन कला, डॉगोविन्द प्रसाद ., अनुपम पांडेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली
3. ईश्वर की आँख, उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रचना का अंतरंग, देवेंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Value Added Course

साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा

Course Objective:

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना।
- छात्रों को नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना।
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण, प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना।

इकाई एक

साहित्य, संस्कृति और हिंदी सिनेमा का सामान्य परिचय

साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप

साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का अंतःसंबंध

इकाई दो

साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिंदी सिनेमा

साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिंदी सिनेमा में परिकल्पना

इकाई तीन

साहित्यिक कृतियों पर आधारित हिंदी सिनेमा की प्रासंगिकता

साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

इकाई चार

हिन्दी सिनेमा में सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति

सामाजिक- सांस्कृतिक मूल्य के सशक्त माध्यम के रूप में सिनेमा

इकाई पांच

हिन्दी सिनेमा में अंतर्निहित सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्य- मदर इंडिया 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चिम 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017, न्यूटन 2017

सन्दर्भ सूची

- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक डॉ नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Vocational Courses- 1

कम्प्यूटर में हिंदी व्यवहार और कार्यालयी पत्राचार

Course Objective:

- इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे; जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे।
- नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे ।
- हिंदी भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।

इकाई-1

कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र

- कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य
- कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी
- हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भः कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, जनसंचार माध्यम आदि । राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।

इकाई-2

हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण)

देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं टेक्स्ट टू स्पीच ।

हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकायें, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, आभासी कक्षाएं

इकाई - 3

कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली

इकाई-4

- कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार : आवेदन पत्र, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालयीन आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालयीन ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

- प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण
  प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति
  टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर

इकाई-5

कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि अनुप्रयोग
कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास
विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ शोधन

प्रायोगिक कार्य

- कम्प्यूटर टाइपिंग, फॉण्ट का ज्ञान।
- हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स।
- यूनीकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.टी.पी., पोस्टर निर्माण, स्पीच-टू-टेक्स्ट एवं टेक्स्ट-टू-स्पीच।
- हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय ।

संदर्भ ग्रन्थ

- रामचंद्र सिंह सागर, कार्यालय कार्यविधि-, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली
- डॉविनोद गोदरे ., प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- दंगल झाल्टे, प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉमाधव . सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कैलाशचन्द्र भाटिया, प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रक्रिया और स्वरूप :, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- विजयकुमार मल्होत्रा, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- संतोष गोयल, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
- प्रो. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)